

भारत सरकार
सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 569
जिसका उत्तर 07.02.2024 को दिया जाना है
सिल्क्यारा सुरंग का ढह जाना

569. श्री जयंत चौधरी:

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सिल्क्यारा दुर्घटना के फलस्वरूप चोटिल हुए लोगों अथवा मौतों का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सुरंग का वही हिस्सा पहले भी 2019 में ढह गया था, यदि हां, तो क्या इसके निर्माण की शुरुआत करने से पहले इस पर एक व्यवहार्यता रिपोर्ट तैयार की गई थी;

(ग) क्या लंबी सुरंग परियोजनाओं के निर्माण के दौरान किसी आपातकालीन स्थिति में बचाव कार्य को सुकर बनाने के लिए अनिवार्य रूप से बचाव मार्ग का निर्माण करने का प्रावधान है;

(घ) क्या दुर्घटना के कारणों की जांच के लिए कोई विशेषज्ञ समिति गठित की गई है, और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ड.) क्या सरकार कमजोर चट्टान आधार को देखते हुए उक्त परियोजना को छोड़ देगी या इसका पुनर्मूल्यांकन करेगी?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) फंसे हुए कामगारों के लिए बचाव कार्य सुरक्षित तरीके से पूरा कर लिया गया है। कोई चोट या मृत्यु नहीं हुई थी। सिल्क्यारा सुरंग ढहने की जांच के लिए एक जांच/विशेषज्ञ समिति गठित की गई है।

(ख) वर्ष 2019 में सुरंग का वह हिस्सा नहीं ढहा था/ इसमें गड़डा नहीं हुआ था।

(ग) आईआरसी एसपी 91-2019 (सड़क सुरंगों के लिए दिशानिर्देश) के अनुसार, भूमि की उपलब्धता, यातायात की मात्रा, सुरंग की लंबाई और अतिरिक्त लागत जैसे विभिन्न कारकों पर विचार करते हुए डिजाइन चरण में यातायात सुरंगों से सटे एक अलग सर्विस सुरंग पर विचार किया जा सकता है। यह अतिरिक्त सुरंग मुख्य सुरंग बंद करने की आवश्यकता के बिना रखरखाव के लिए सुगमता प्रदान करती है। इस सर्विस टनल का उपयोग आपातकालीन स्थिति के दौरान बचाव मार्ग के रूप में किया जा सकता है।

(घ) और (ड) सीमा सड़क संगठन, रेल मंत्रालय, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय और प्रमुख शैक्षिक संस्थानों के विशेषज्ञों को शामिल करके सिल्क्यारा सुरंग ढहने की जांच के लिए एक विशेषज्ञ समिति गठित की गई है। समिति ने स्थल का दौरा किया है और एक प्रारंभिक रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी है और तदनुसार संबंधित लोगों को आवश्यक सुरक्षोपायों के साथ परियोजना को पुनः शुरू करने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने के अनुदेश जारी कर दिए गए हैं।
